भू पारिस्थितिकी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग (ईआरटीडी)
वेदास अनुसंधान समूह (वीआरजी), ईपीएसए/सैक दिनांक : 06-10 अगस्त 2018

एल एवं एस बैंडों पर विशेष बल देते हुए भू अनुप्रयोग हेतु सार डेटा प्रक्रमण तथा विश्लेषण पर

पृथ्वी भू-प्रणाली में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान (टीआरईईएस)

एल एवं एस बैंडों पर विशेष बल देते हुए भू अनुप्रयोग हेतु सार डेटा प्रक्रमण तथा विश्लेषण पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देशभर के 27 संस्थानों/संगठनों से 32 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सार डेटा प्रक्रमण एवं विश्लेषण के विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित करते हुए कुल 14 व्याख्यान दिए गए। निसार मिशन पुनरावलोकन, एल एवं एस बैंड वायुवाहित सार तथा अनुसंधान क्षेत्रों पर व्याख्यान दिए गए। सार-संवेदक परिपेक्ष्य, सार लक्ष्य अन्योन्यक्रिया, सार सिग्नल प्रक्रमण का बेसिक कवर किया गया। उन्नत सार के संबंध में, सार ध्रुवणमापन के अनुप्रयोग, सार डेटा ध्रुवणमापन विश्लेषण के लिए उपकरण और तकनीकों को भी कवर किया गया।

इन मूल सिद्धांतों एवं उपकरणों के अलावा, शहरी अध्ययनों, कृषि, मृदा आर्द्रता, भूविज्ञान, वानिकी, आर्द्रभूमि, तटीय एवं हिमांकमंडल अध्ययन में सार अनुप्रयोग को भी सम्मिलित किया गया। सार डेटा प्रक्रमण तथा विश्लेषण, ध्रुवणमापन डेटा प्रक्रमण, केंद्र में विकसित ध्रुवणमापन टूल्स तथा ओपन स्रोत टूल्स, विश्लेषण तथा विभिन्न विषयों पर 18 घंटों के ट्यूटोरियल/प्रयोग आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागी सैद्धांतिक पहलुओं से भी परिचित हो।

प्रतिभागियों ने पाठ्यसामग्री और उसके प्रस्तुतीकरण की खूब सराहना की। प्राप्त फीडबैक उत्साहवर्धक रहे; कई प्रतिभागियों ने अनुसंधान कार्यक्रम का हिस्सा बनने की इच्छा जताई।